VISION IAS

www.visionias.in

13 DEC 2021

SUBJECT:	निबंध	**Test Code:**	1 7 5 3
Name of Candidate	आशीष प्रनिया		
Medium Hindi/Eng.	हिन्दी	**Registration Number**	4 8 1 2 8 9
Center	MH	**Date**	1 3 1 2 2 1

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विश्वास एक ऐसा पक्षी है जो उषाकाल के अंधेरे में भी प्रकाश को महसूस करता है और चहचहाता है।

हैदराबाद के एक गाँव में ~~ग~~ गरीब दंपति के घर एक नेत्रहीन शिशु का जन्म होता है परिजनों को तरह-2 की सलाहें मिली जैसे, अनाथालय में छोड़ दो.. आदि आदि।

परिजनों ने 10 वर्ष की उम्र में उसका विशाखापट्टनम के अंध-विद्यालय में दाखिला कराया। यहाँ आँखों में रोशनी की कमी उसके विश्वास के दीपक नहीं बुझा पाई। यह छात्र कक्षा 10 में राज्य में पहला स्थान हासिल करता है और उसे डॉ.कलाम साहब के साथ 'लीड इंडिया प्रोग्राम' में काम करने का अवसर मिलता है।

अपने सफर में वह विज्ञान तकनीक की शिक्षा को चुनते हुए JEE-एडवांस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पास करता है लेकिन अंधेरे के बादल अभी छँटे नहीं थे। आइआइटी में ब्लाइंड केटेगरी में सीट नहीं होने के कारण उसका प्रवेश नहीं हो पाया।

फिर वह अमेरिका के चार विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में असफल रहता है अंतत: उसे एमआईटी (सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान) में दाखिला मिल जाता है। सफर यहीं पूरा नहीं हुआ उसे पढ़ाई के बाद कई प्रतिष्ठित कंपनियों में जॉब ऑफर मिले लेकिन उसने भारत आकर हैदराबाद में "BOLIANT इंडस्ट्रीज" स्टार्टअप शुरु किया।

ये बालक एमआईटी में पढ़ने वाला पहला ब्लाइंड अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियर है - श्रीकांत बोला

और आज वह 1500 दिव्यांगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देने का काम कर रहा है।

श्रीकांत की कहानी अंधेरे की कोई कमी नहीं थी लेकिन विश्वास ने उसे जीत लिया। विश्वास नाम का यह पक्षी केवल अपने तक सीमित नहीं ~~रह~~ ~~रह~~ रहता है बल्कि अपने सुंदर कलरव (चहचहाहट) से दूसरों की जिंदगी में भी सवेरा लाता है।

निजी, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय किसी भी स्तर पर मौजूद दुविधा का समाधान विश्वास से बड़ा नहीं है तभी तो संस्कृत वाङ्मय में भी कहा गया है " उपायेन यद् शक्यम् न तद् शक्यम् पराक्रमै "।

<u>निजी व्यक्तिगत</u> जीवन में विश्वास आत्मबल, साहस तथा कठिन परिस्थितियों में जीवट उत्साह का संचार करता है दलाई लामा कहते हैं दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी खोज यह है कि व्यक्ति अपने

आप पर विश्वास करके दुनिया बदल सकता है।

सामाजिक ~~एवं ...~~ जीवन में

विश्वास संबंधो के स्थायित्व, सहिष्णुता, पंथनिरपेक्षता, बंधुत्व आदि की स्थापना करता है ~~क्योंकि~~ किसी भी राष्ट्र की राष्ट्रीय व्यापक शक्ति में 'सामाजिक पूँजी' (SOCIAL CAPITAL) की बड़ी भूमिका है।

"एडम स्मिथ" ने अपनी पुस्तक 'द मोरल सेंटीमेंट्स' में लिखा है कि ~~...~~ "द ट्रस्ट इज पब्लिक गुड" अर्थात् आपसी विश्वास किसी राष्ट्र की राजनीति, प्रशासन, अर्थतंत्र, न्यायपालिका तथा सार्वजनिक जीवन की जड़ों को मजबूत करती है तथा व्यवस्था के प्रति लोगों की विश्वसनीयता को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुनिश्चित करता है।

'राजनीतिक जीवन की शुचिता लोककल्याण की राह प्रशस्त करती है तथा प्रशासन की जवाबदेहिता उन पर जनता के विश्वास को प्रगाढ़ करती है क्योंकि राजनीतिक दल लोगों को यही विश्वास दिलाकर सत्ता में आते हैं कि वे उनके हितों का ख्याल रखेंगे। यह विश्वास हजन नागरिक समाजों, जनजातियों तथा लोकतंत्र में आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्तियों को सत्ता में भागीदारी प्रदान करने से शुरु होगी।

उदाहरण के तौर पर एक एमडीएम (मध्यान्ह भोजन) में बनाने वाली "प्रमिला बिसोई" जब 17 वर्षों तक निःस्वार्थ, निष्कपट सैल्फ हेल्प ग्रुप कार्यक्रमों में काम करती है तो उनका व्यवस्था के प्रति गहरा

विश्वास प्रदर्शित होता है इतना गहरा कि आज वह उड़ीसा के अस्का जिले की लोकसभा सांसद है इस विश्वास की वजह से वह अपने विद्यालय क्षेत्र में "फैरी गोडमदर" के नाम से जानी जाती है।

प्रशासन में टीएन शेषन, एस. श्रीधरन, आर्मस्ट्रोंग पामे आदि को विश्वासवर्धक उपायों के लिए जाना जाता है।

राजनीति - प्रशासन के अलावा न्यायपालिका का विश्वसनीय होना जिंदादिल लोकतंत्र की अपरिहार्यता है। न्याय में देरी, मुकदमों का अटकना, अवमानना जैसी तमाम चुनौतियाँ हैं लेकिन फिर भी आज भी किसी कस्बे में दो व्यक्तियों के बीच नोंक-झोंक होती है तो वे कहते हैं "I will see you in the court." यह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न्यायपालिका के प्रति गहरे विश्वास को दिखाता है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वैश्वीकरण के दौर में विश्वास बहुत गहरी अंतर्वस्तु बन जाती है राष्ट्रों के बीच, लोगों के बीच यह विश्वास ही तो है आज भारत के 2.5 करोड़ प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा 'आत्मविश्वासी डायस्पोरा' बनकर उभरा है।

यही विश्वास मनुष्य मात्र को ~~कुम~~ जीव जगत में विशेष स्थान देता है मौलिक बनाता है, पंत जी कहते हैं-

"सुन्दर है
सुमन
विहग सुन्दर
मानव तुम सबसे सुंदरतम"

राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से परे यदि अर्थव्यवस्था की परतें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खोली जाए तो यहाँ भी विश्वास और "बाजार के अदृश्य हाथ" मौजूद है।

जैसा कि ऊपर जिक्र हो चुका है "ट्रस्ट इज पब्लिक गुड"। यह ट्रस्ट बैंकों को ऋण देते वक्त, ग्राहकों को खरीददारी के समय तथा सरकार व उधमों के बीच कर-व्यवहार के दौरान अहम भूमिका सदा करता है।

वर्तमान में नव प्रबंधन व्यवस्था में समस्याओं की जटिलता, PPP परियोजनाएँ तथा वायबलिटी गैप फंडिंग एवं स्टॉक मार्केट में विश्वास ही इकॉनमी वायब्रंट बनाता है।

यह विश्वास अर्थव्यवस्था

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को डिमांड ड्रिवन, क्वांटम जंप इकोनमी, सशक्त डेमोग्राफी ~~बनाकर~~ बनाकर भरोसेमंद इंफ्रा॰ के साथ आत्मनिर्भर भारत बनाने में मदद करेगा।

सार यह है कि समाज परिवार, इकोनमी हो या कोविड जैसी महामारी का प्रबंधन विश्वास के ~~बल~~ बल पर बाजी जीती जा सकती है तभी तो कहा गया है 'मन के हारे हार है और मन के जीते जीत'

अब सवाल यह है कि वर्तमान विश्व मे 'ट्रस्ट डेफिसिट' का बोलबाला है उसका कैसे समाधान किया जाए।

डाटा सुरक्षा, निजता साइबर अपराध जैसे विषय अविश्वास को उत्पन्न करते है। तथा मीडिया द्वारा भ्रामक तथ्य भी अविश्वास उ फैलाते हैं, ~~विश्वास~~ (प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 142 वां स्थान)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विश्वास सार्थक है, लेकिन यह जान लेना आवश्यक है कि अंधविश्वास और अंध अविश्वास (भक्ति एवं अंधश्रद्धा) दोनों घातक हैं। अंधविश्वास के बारे में "संत दादू दयाल" कहते हैं-

"दादू दुनिया बावली, पूजे भोमिया भूत
जिनको कीड़े खा चुके, उनसे मांगे पूत"

अब विषय है कि विश्वास का सृजन कैसे हो?
संविधान का अनु॰ 51 नागरिकों के लिए कर्तव्य निर्धारित करता है कि वे मानववाद, ज्ञानार्जन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन करेंगे।

छपाक, मुल्क, अलीगढ़ तथा 'चक दे इंडिया' जैसी फिल्में समुदायों में विश्वास जगाती है।

उपनिषदों में गुरु, ज्ञान एवं प्रकृति में विश्वास से जीवन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रज्वलित करने का संदेश विद्यमान है

"असतो मा सद्गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

मर्त्योमा अमृतम् गमय"

बृहदारण्यक उपनिषद

[अध्याय।•3•28]

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षवाद अपरिहार्य है।

"भूगोल ने हमें पड़ोसी बनाया है, इतिहास ने जान पहचान कराई, अर्थव्यवस्था ने हमें साझेदार बनाया तो आवश्यकता ने हमें सहयोगी। जब भगवान ने ही दुनिया को इस तरह जोड़ा है तो मनुष्य कैसे अलग कर सकता है।" - "जॉन एफ कनेडी"

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं बहुपक्षवाद केवल आज की जरूरत नही है। दुनिया की प्राचीनतम

सभ्यताओं में मिस्र - मेसोपोटामिया हो

था सिंधु घाटी (मेलुआ) सहयोग

हमेशा सबसे प्रासंगिक घटना

रही है।

हमारी चर्चा का प्रमुख विषय यह है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के समक्ष क्या चुनौतियाँ है? यह सहयोग मानवता के समग्र कल्याण को कैसे सृजित करेगा? तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं बहुपक्षवाद के संबंध में हमारे समक्ष कौनसी उपलब्धियां हैं? तथा भारत की सकारात्मक भूमिका का क्या प्रभाव रहा है? और यह सहयोग किन-२ क्षेत्रकों में अपेक्षित है?

जब जवाब टटोलने की कोशिश करते है तो यह सहयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्विक संगठनों में विश्वास बढ़ती एवं सुधार, पर्यावरणीय संकट के शमन, आपदाओं और महामारियों से लड़ने, भूराजनैतिक दुविधाओं के समाधान, अंतर्राष्ट्रीय न्याय तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे तमाम क्षेत्रों में अपरिहार्य हो गया है।

अगर इस सहयोग की दिशा में हासिल उपलब्धियों की चर्चा की जाए तो ये सैकड़ों की संख्या में है। विश्व व्यापार संगठन ने व्यापार को प्रतिस्पर्धी और बौद्धिक संपदा सृजन को महत्वपूर्ण बनाया है, जबकि संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले देशों ने अपने हितों को विश्व हितों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के साथ योजित करने का काम किया है।

यूएनएफसीसी हो या रियो सम्मेलन या UNCLOS या आउटर स्पेस ट्रीटी, प्रत्येक के मूल में पूर्वानुमेयता, जागरुकता तथा मानवता के प्रतिबोधत्व की बुनियाद है जो 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' को साकार करती है।

वैश्विक सहयोग और बहुध्रुवीयता का प्रभाव शांति और न्याय पर भी दिखता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के 70 वर्ष बीत जाने के बावजूद तीसरे विश्वयुद्ध की कोई आहट नहीं है, समग्रत: यह समझ सहयोग और बहुपक्षवाद से सुदृढ़ हुई।

2005 में जापानी प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में एशियाई देशों से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

माफी मांगते हुए कहा कि "जापान अपनी ऐतिहासिक भूलों पर शर्मिन्दा है, उसने औपनिवेशिक दौर में अपने पड़ोसियों पर क्रुर अत्याचार किए। वह अब एशियाई समुदाय से माफी मांगकर संकल्प करना चाहते हैं कि वे पुरानी भूलों से मिले सबक को कभी मिटने नहीं देंगे।"

तथा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति 'ओबामा' द्वारा हिरोशिमा जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करना विश्व समुदाय के नए आयाम है। इस तरह विजेता राष्ट्रों द्वारा अतीत की भूलों के लिए माफी मांगना सहयोग और बहुपक्षवाद के लिए द्वार खोलता है।

अब विषय यह है कि भारत की ऐतिहासिक भूमिका कैसे प्रासंगिक रही है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हमारा ऐतिहासिक दृष्टिकोण ही स्वहित के बजाय समग्र विश्वबंधुत्व पर आधारित रहा है -

"अयं निज परोवेति, गणना लघुचेतसाम उदारचरितान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्"

स्वातंत्र्योपरांत गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिए क्षेत्रीय संप्रभुता तथा पिछड़े मुल्कों का हिमायती होने का गौरव भारत को हासिल है।

2004 में हिन्द महासागर सुनामी हो या जापान भूकम्प या द्वीपीय देशों में गंभीर आपदाएँ हमारी मानवीय राहत वहाँ सबसे पहले पहुँची है। (ISA, CDRI)

कोविड-19 के दौरान 151 देशों HCQ जैसी दवाइयाँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और कई देशों वैक्सीन एवं COWIN सॉफ्टवेयर तकनीक साझा की गई।

वर्तमान विश्व में अगर सहयोग और बहुपक्षवाद के असंतुलन के आयाम देखे जाएँ तो अफगान मुद्दा, और चीन की नवउपनिवेशवाद रणनीति एवं जलवायु जोखिमों के शमन के लिए विकासशील राष्ट्रों को वित्त उपलब्धता प्रमुख मुद्दे हैं।

विभिन्न देशों में आव्रजन नीतियाँ, टेरर फाइनेंस चुनौतिपूर्ण हालात पैदा करते हैं। शरणार्थी संकट गहरा लगभग २० करोड़ वैश्विक आबादी स्टेटलेस हालात में गुजर-बसर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर रही है। चुनौतियों के बावजूद नेतृत्व, सहयोग और बहुपक्षवाद के जरिए राह निकाली जा सकती है। राष्ट्रकवि की पंक्तियां है -

"वसुधा का नेता कौन हुआ
भूखंड विजेता कौन हुआ
नव धर्म प्रणेता कौन हुआ
जिसने न कभी आराम किया
विघ्नों में रहकर काम किया"

सहयोग और बहुपक्षवाद की तरफ बढ़ता हुआ विश्व समुदाय महिलाओं, बच्चों, श्रमिकों, LGBTQ समेत सभी उपेक्षित वर्गों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के प्रति पहले से ज्यादा सहज हुआ है।

विश्व बैंक ने 2030 तक 'एक्सट्रीम पावर्टी' के उन्मूलन की घोषणा की है तो सेण्डाई फ्रेमवर्क ने आपदा से होने वाली मौतों को कम करके 'जीरो फेटेलिटी एप्रोच पर बल दिया है।

WEF ने "न्यू ग्रेट रीसेट" पहल के आरंभ पूंजीवाद को प्रत्येक मानव के गरिमापूर्ण जीवन सृजन का आह्वान किया है। वहीं UN में 'चार्चित' का चर्चित कथन रहा है कि "

"हमें हथियार चलाने के बजाय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जुबान चलानी चाहिए" अर्थात् बातचीत से हल ढूंढने चाहिए।

UNICEF का ध्येय वाक्य है:-

" घृणा एवं युद्ध का जन्म मनुष्य के दिमाग की उपज है तो सुधार के प्रयास भी मस्तिष्क से शुरु किए जाएँ। और करुणा पहला उपाय है।"

अंतरिक्ष, प्रकृति, महासागर, बादल, ईश्वर कभी राष्ट्र की संपत्ति हो ही नहीं सकते हैं ये तो समूची मानवता की थाती है-

"हम न रहेंगे तब भी ये खेत रहेंगे
धन घराहते शेष रहेंगे
जीवन देते प्यास बुझाते
श्याम बदरिया के केश रहेंगे"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(frame work) essay (1)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) तीमिनान्त बोला → विश्वास की स्थिति

(2) ~~निकटता~~ परिवार

(3) ~~पड़ोस / समाज~~ / शिक्षण संस्थान संस्थाएँ / लेनदेन

उदा. पोषण
- महिलाएं जनजाति
- बच्चे
- बुजुर्ग
- दिव्यांग

एक इलाके के विश्वास — हैदराबाद गांव / कश्मीर में मकानमालिक के साथ

(4) राजनीति एवं प्रशासन तथा अंतरराष्ट्रीय

गांधी — कोविड प्रबंधन / आत्मनिर्भरता भारत / अंतर्राष्ट्रीय संबंध → उपभोक्ता परशासन न कराएंगे

(5) आर्थिक जीवन → adam smith / तकनीकि → गरीब का जीवन → आर्थिक सुधार

इकानमी उत्थान — V shape, मार्केट नीतियों में निवेश

(6) → गैर सरकारी प्रयास + NGO

हेल्थ / कोविड / तकनीक → social capital

(7) मीडिया → फ़ेक फ़्रीडम → social media

(8) फिल्में → इश्क, सतीगढ़, पाक ड्रैमा → जुनून

विश्वास जहाँ लगी जान

(9) नैतिक विचार → बालकों

(10) ~~धर्म नस्लीय, छुआछूत, भाषा~~

(11) जोट — ~~कुटुंब~~ मित्र / क्रिकेट / सिनेमा / मीडिया

विश्वास की शर्तें

कोहिनूर

A-51 → इतिहास / इतिहास / कानून / संविधान

→ गांधीजी निजी जीवन की तुलना

विश्वास इतना इतनों में जगाता है गांधी जैसे लोग

ईमानदारी सद्भाव, धर्म तथा जातियों → क्योंकि मैं सोचता हूं इसलिए मैं हूं

शांति, सत्य आत्मा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विश्वास एक ऐसा पक्षी है जो उषाकाल के अंधेरे में भी प्रकाश महसूस करता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पहचान

- श्रीकांत बोला कहानी
- रति हुआ अन्त..

पहचान
साथ देना
प्रेरणा देना
राग, ज्योति करना

- जिगरी की कलाएँ
- किसान, मजदूर
- दलित, महिला

मानव×
प्रत्येक प्राणी
↓
आस्तिक

जातिनिर्भर
↓
उषा चौधरी
↳ रत्न
↓
हेमानी जरबाज
↓
गांधी अपने मूल्यों में दृढ़ विश्वास
↓
आत्मनिर्भर भारत
↓
हौसला
मातृभूमि
विक्रम बत्रा

- अरुणिमा सिन्हा

इस विश्वास में उम्मीद विश्वास जगाता है

पर्वतारोहण
↓
विश्वास एकजुट

अंधविश्वास×
अंधभक्तिविश्वास×
↓
खुद पर, सरकार पर
परिवार पर
↓
विश्वास सृजन
↓
भगवान पर
↓
श्रेय नहीं उधर

जले आए घर के संग कई
धुँआ उठा आँगन के
पलक उठी पर
कौन ले गुजरती पाँव

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- देश के भीतर — बाजार कई देशों

trust is public good
adam smith
moral sentiment

बैंक = कम्पनी = सरकार

- न्यायपालिका पर → नि- सिद्धांत
आज भी लोग कहते हैं
I will see you in court

- ग्रामीण कार्यपालिका
कोविड प्रबंधन, टीका, ओरबंदी

- तकनीक पर
↓
कम जाते गई → doctor
PPE kit,

- कठिनाइयों पर शायद न ठहराव रहे पर करके
- अपने पर विश्वास करो, अब तक भी कहीं सोना दुनिया बदल सकता है — कई लाख —
- जलमेव जयते

PPP, RBI, GPP data V - किरदारी

परिवार	समाज	राष्ट्र
भाई	- सहिष्णुता	- धर्मनिरपेक्षता
बच्चे	- पुनर्जा	- निर्माण×
बेटी	शांति	- सैर
बुजुर्ग देखेगा		

राजनीति
| धर्म
↓
- मानक
- अंधविश्वास
↳ जादू टोना बाबाजी
सूत्रे भविष्य भूत

विश्वास को घटाते

data (सुरक्षा) — सहकार दूरदर्शी

रिपोर्ट → प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 142 वाँ स्थान
विश्वास की कमजोरी

org.
— ग्रामीण फाउंडेशन
→ इमारत

मीडिया → ×

Health — UHID, आयुष्मान भारत
PPP

filme → NE — पकड़े
द्वपाक —
अनेक

इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षवाद अपरिहार्य है।

- ज्ञान एवं विचार धारा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- Jon F Canady

वसुधा का नेता

Unicef का इतिहास

org. Quad

Quad + indo pacific

A-51

1.
2.
3.

Unicef

1. John af Canady

2. उपलब्धि — चुनौतियां, अवसर, गांधी, मंडेला

वसुधा का नेता कौन होगा

1. भारत UPA उपलब्धि

2. मुद्दे MLB, शरणार्थी, जलवायु परिवर्तन, संरक्षणवाद

कोविड, ...

RNT → ...

संगठन → Nato, warsa,

→ N - S

→ CDRI ISA

→ ...

→ कोविड पश्चात → UN, WHO, COVAX

Call us : 8468022022

Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत

ऊर्जा
व्यापार
[illegible]
[illegible]
[illegible]

WB
CRI

विवेकानंद विश्व बंधुत्व

Ubuntu

1. [illegible]
2. [illegible]
3. 2.5 करोड़

महिला बच्चे [illegible]
UDHR
ICCPR
CEPWD
ILO

[illegible] → गांधी [illegible]

वसुधैव कुटुम्बकम्

WEF